

Statement

The Names of the Promoters of the Application received for Establishment of New Sugar Factories in the State of Andhra Pradesh Pending Consideration (As on 31.7.1996).

1. Name of the Promoter	Location With Distt.
10. Sh. N.P. Ramakrishna Sh. K.B. Venkata Rao Sh. D. Subbareddy	Bollapalli, Disst. Prakasam Thripuranthakam Disst. Prakasam Gundlapadu/Kothapet Distt, Prakasam

भारतीय खाद्य निगम द्वारा खराब हुए खाद्यान्नों का खुले बाजार में बेचा जाना

2824. श्री अजीत जोगी:

श्री एस० एस० सुरजेवाला:

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) भारतीय खाद्य निगम द्वारा वर्ष 1995-96 के दौरान खराब हुए खाद्यान्नों को किस दर पर बेचा गया;

(ख) वर्ष 1995-96 के दौरान भारतीय खाद्य निगम ने कितना घाटा हुआ; और

(ग) सरकार द्वारा ऐसी हानियों से बचाने के लिये हुए गए उपायों के तौर पर निगम को पिछले तीन वर्षों में दौरेन कितनी वित्तीय सहायता प्रदान की गयी?

खाद्य मंत्री तथा नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री देवेन्द्र त्रिपाठी): (क) और (ख) भारतीय खाद्य निगम के पास खराब हुए कोई खाद्यान्न नहीं है। तथापि, भारतीय खाद्य निगम में, भौतिक और जैविक कारणों की वजह से क्षतिग्रस्त गेहूँ और चावल को क्षतिग्रस्त खाद्यान्नों के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। ये खाद्यान्न भारतीय खाद्य निगम के पास पंजीकृत मंजूरशुदा निर्यातकर्ता व्यापारियों को पशु-चावल, मुर्गी दाना आदि तैयार करने के लिए बेच दिए जाते हैं। ये स्टॉक खुले बाजार में नहीं बेचे जाते हैं। 1995-96 के लेखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। लेखों को अंतिम रूप देने और उनकी लेखापरीक्षा हो जाने के बाद क्षतिग्रस्त स्टॉक के निपटान की औसत दर और 1995-96 के दौरान निगम को हुई हानि की जानकारी उपलब्ध होगी।

(ग) खाद्यान्नों के क्षतिग्रस्त/खराब होने के कारण हुई हानियों की प्रतिपूर्ति करने के लिए अलग से कोई सहायता नहीं दी जाती है। तथापि, पिछले तीन वर्षों के

दौरान भारतीय खाद्य निगम को खाद्य सब्सिडी के रूप में निम्नलिखित धनराशि रिलीज की गई थी:—

1993-94	5537.14 करोड़ रुपये
1994-95	4509.00 करोड़ रुपये
1995-96	4960.30 करोड़ रुपये

Developing Diamond Mines

2825. SHRI RAGHAVJI: Will the Minister of MINES be pleased to state:

(a) whether Government are considering any proposal to develop diamond and other precious stone mining in M.P.;

(b) if so, details therefor; and

(c) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STEEL & MINER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (c) No proposal for mining of diamond and other precious stones has been received from the Government of Madhya Pradesh. However, the State Government has forwarded five proposals for grant of prospecting licence from exploration of diamond and other precious stones. No decision has yet been taken in the matter.

Tribunal for small and sick Industries

2826. SHRI PARAG CHALIHA: Will the Minister of INDUSTRY be pleased to state:

(a) whether Small Scale Industries Board has suggested constitution of tri-